Lecture - 118.

भारतीय उर्जा कार्यक्रम

- Mamta Rani
Guest Assistant Professor.
Deptt. of History.
SNSRKS College,
Saharsa.

BA Part - 3rd.
Paper - I.

Be AatmaNirbhar. Use Kaagaz

Q. भारतीय ऊर्जा कार्यक्रम पर संक्षिप्त टिप्पणी

भूमिका

उद्योग, यातायात मानव उपभोग से संबंधित सभी प्रकार के क्रियाकलाप के लिए ऊर्जा अति आवश्यक है जिसके बिना जीना लगभग असंभव है

ऊर्जा प्रकार

परंपरागत ऊर्जा — जीव जन्तु के जो है अपशेष की धरती में दब जाने के कारण ताप और दाब की सहायता से लाखों वर्षों के उपरांत परंपरागत ऊर्जा के रूप में परिवर्तित होना। जैसे — कोयला, तेल एवं प्राकृतिक गैस

सबसे अधिक 67% — * कोयला → सर्वप्रथम रानीगंज में 1774 धनबाद को कोयला की राजधानी, झारखण्ड, उड़ीसा प्र स्थान

* प्राकृतिक गैस — ONGC की स्थापना 1956, 20 इकाई कार्यरत जिसमें तेल गैस

* जल ऊर्जा — ज्वारीय, तरंग

गैर-परंपरागत ऊर्जा — सौर ऊर्जा, बायोगैस, बायोमास, जल ऊर्जा, भू-तापीय ऊर्जा

* सौर ऊर्जा - सोलर के माध्यम से सीधे सौर ऊर्जा लेकर ऊर्जा के रूप में ... आदि गैर परंपरागत ऊर्जा का निर्माण

* बायोगैस - जो पशु के मलमूत्र आदि / खाना बनाना, पानी गर्म आदि करते हैं उपयोग

* बायोगैस -

* भू-तापीय ऊर्जा

(i)
(ii)
(iii)
(iv)

बायोगैस

मिथेन - 55-65%

सम्पत्ति नाम - मार्श गैस या गोबर गैस

• जीवों के उत्सर्जित पदार्थ से इसका निर्माण और उसके बाद अवशिष्ट पदार्थ को उर्वरक के रूप में प्रयोग

बायोमास

लकड़ी के पत्ते और फलों के अवशिष्ट पदार्थ से निर्मित - सर्वप्रथम - दिल्ली में इस ऊर्जा का उत्पादन सेब के अवशिष्ट पदार्थ से किया जा रहा है

जल ऊर्जा

ज्वारीय तरंग

समुद्री ऊर्जा के रूप में इसकी मान्यता मिल गया है।

U.S.A, जर्मनी, फ्रांस, डेनमार्क, स्पेन के बाद भारत का 5वाँ स्थान

कच्छ की खाड़ी (गुजरात), ... गंगा के डेल्टा में

भू-तापीय ऊर्जा

भू-तापीय ऊर्जा — गर्म पानी के स्रोत से निकलते हुए जो गर्म जल का ... उत्पन्न होता है, पुगा घाटी लद्दाख की ... और हिमाचल ... मणिकरण में ...

पवन चक्की के सहयोग से यह ऊर्जा उत्पन्न होता है - गुजरात, तमिलनाडु, महाराष्ट्र।

जर्मनी, चीन, U.S.A, डेनमार्क, स्पेन भारत का 5th स्थान

इस प्रकार गैर परंपरागत ऊर्जा आज भी 20% मात्र पूरा कर रहा है जिसके विविध समस्या ऊर्जा क्षेत्र में बनी है इसे दूर करके ही ऊर्जा के क्षेत्र में और विकास किया जा सकता है।

• गैर परंपरागत ऊर्जा का लाभ।

(i) नवीकरण योग्य
(ii) सस्ता
(iii) पर्यावरण हानि नहीं
(iv) अक्षय